

न्यायलय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

आदेश पत्रक उपाचरण शर्मा प्रथम पक्ष

पक्ष बनाम सुधीर कुं राय द्वितीय पक्ष

देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता० से तक

जिला गिरिडीह।

विविध वाद संख्या 188 सन् 2021

धारा 144 द०प्र०स०

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
16/08/21	<p><u>आवेदक विषय उपाचरण शर्मा</u> <u>पैठ पत्तन राना ग्राम - सिमरागाव</u> <u>थाना - विरनी जिला - गिरिडीह द्वारा</u> <u>द० प्र० सं० 30 की धारा 144 के</u> <u>अन्तर्गत विवादित भूमि पंजी</u> <u>सिमरागाव खाता सं० - 59 प्लॉट</u> <u>सं० - 33, रकबा - 1.33 एकड़</u> <u>पं० सं० 30 - द्वितीय पल अ पञ्चान</u> <u>द०. स्व० बाबुलाल राय की पत्नी</u> <u>प्लॉट सं० 33, पु० - प्रथम पल की</u> <u>पत्नी व प्लॉट सं० 33, ज० - सरिया</u> <u>धनवार शेर में भू-विवाद के कारण</u> <u>निषेधाज्ञा लागू करे हेतु आवेदन</u> <u>दिया गया है। प्राप्त आवेदन पर जॉय/</u> <u>पंतव्य शंभर शर्मा/ धाना प्रभारी</u> <u>विरनी से पाँजे।</u> <u>अभिलेख दि० 16/08/21 को रखा</u> <u>लगायत एवं संशोधित</u></p>	<p><u>26/8/21</u> <u>16/08/21</u></p>

इंडियाई ग्राफीस - फार्मिक प्रिकाशीकण्ड लक्ष्मण्ड प्रकाशक

दिनांक 23/09/21

26/08/21

अभिलेख उपर-पानित। अंपल अयिडरी/

पाना प्रदारी विररी से अत्राए है।

अभिलेख 23/09/21 को रखा।


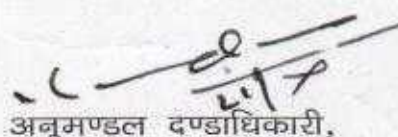
<p>किस कि सं. पंजीक के सं. के प्रकाशक पंजीक सं. के प्रकाशक</p>	<p>प्रकाशक सं. प्रिकाशीकण्ड सं. पंजीक</p>	<p>के सं. के प्रकाशक अनु. 40310</p>
--	---	---

23/09/21 - अंपल अयिडरी / पाना प्रदारी विररी

से अत्राए है।
अभिलेख 23/09/21 को रखा।

अनु. 40310

अभिलेख 23/09/21 को रखा।
अनु. 40310

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
21/10/21	<p>अभिलेख उपस्थापित। मैं थाना प्रभारी/अंचल अधिकारी <u>बिरजी</u> के पत्रांक <u>912</u> दिनांक <u>05/10/21</u> के द्वारा समर्पित किया गया जाँच प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद संतुष्ट हूँ कि भूमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होने की आशंका है एवं उभय पक्ष टकराव के लिए तत्पर हैं, जिसके कारण उस क्षेत्र में शांति भंग, खून-खराबा तथा उपद्रव हो सकता है, जो मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।</p> <p>इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 द० प्र० सं० के अंतर्गत कार्यवाही प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के लिए विवादाग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोका जाता है साथ ही उभय पक्षों से दिनांक <u>28/10/21</u> को कारण-पृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पुष्ट किया जाय।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित।</p> <p> अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बगोदर-सरिया।</p> <p> अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बगोदर-सरिया।</p>	
28/10/21	<p>अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थापित। अभिलेख 18/11/21 को रखा</p>	

1

2

3

18/11/21

प्रथम पत्र - उपरिपत्र । द्वितीय पत्र - कालान्तर्ग एगिर हें।
दरिपत्र हें।

To 23/11/21

LC
18/11

25/11/21

द्वितीय पत्र - उपरिपत्र । प्रथम पत्र - उपरिपत्र । द्वितीय पत्र - हें।
द्वारा ए/ए दरिपत्र।

To 9/12/21

LC
25/11

अनु. वरगा

09/12/21

उपय पत्र कालान्तर्ग एगिर हें।

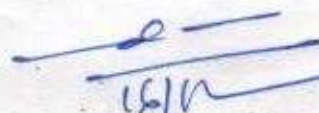
To 16/12/21

LC
9/12

अनु. वरगा

16/12/21

उपय पत्र कालान्तर्ग एगिर हें।
उपय पत्र के विधान अधिनियम को हुना। उपय पत्र नापी कल अपना विनाद कुलमाना पावते हें। अतः उपय के आवेदन को स्वीकार कलने

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>हुये मूमि नानी हेतु अथवा अधिकारी बिलनी के लिये आदेश दालियल कलने का आदेश दिया जाता है।</p> <p>उक्त विवेचन के नाथ वार की कार्यवाही समाप्त की जाती है।</p> <p>॥  15/11</p>	